डॉ. के. वी. राजू, आर्थिक सलाहकार, माननीय मुख्यमंत्री जी, उत्तर प्रदेश (सचिव, भारत सरकार स्तर) का दिनांक 31 जनवरी, 2021 को महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र की समीक्षा बैठक कार्यक्रम की कार्यवाही

दिनांक 31 जनवरी, 2021 को कुलपति कार्यालय, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय पर डॉ. के. वी. राजू, आर्थिक सलाहकार माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार एवं प्रो. राजेश सिंह, कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गयी। इस बैठक में प्रो. अजय गुप्ता, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, डॉ. प्रदीप राव, डॉ. शैलेन्द्र सिंह तथा डॉ. मानवेन्द्र सिंह सम्मिलित हुए। जनपद तथा पूर्वांचल में कृषको की आय बढ़ाने हेतु डॉ. के.वी. राजू एवं प्रो. राजेश सिंह द्वारा निम्नलिखित सुझाव दिये गये –

सुझाव

डॉ. के.वी. राजू

1. कृषि विज्ञान केन्द्र के द्वारा प्रदर्शित प्रगति प्रतिवेदन में प्रदर्शित प्रत्येक फसल की उत्पादकता किसान, जिला, राज्य तथा राष्ट्रीय स्तरीय साथ ही लाभान्वित किसानो की संख्या व प्रतिशत वृद्धि के द्वारा दर्ज किया जाये।
2. कृषि विज्ञान केन्द्र की वेबसाइट में विभिन्न गतिविधियों, मीटिंग प्रोसीडिंग तथा स्वयं मूल्यांकन को जोड़ा जाये। साथ ही प्रगतिशील किसानो की केस स्टडी को इंग्लिश व हिंदी में डाला जाये। किसानो के लिए किये जा रहे कार्यो को नक्शा के माध्यम से वेबसाइट पर डाला जाये। समीक्षा बैठकों को भी वेबसाइट पर डाला जाये।
3. कृषि विज्ञान केन्द्र की वेबसाइट में किसानो का डेटाबेस ब्लाक स्तर से प्रत्येक सीजन व वार्षिक बनाया जाये जिसमे किसानो का जुड़ाव कृषि विज्ञान केन्द्र से किस प्रकार का है (शेयरहोल्डर या अन्य) ये भी इंगित किया जाये। साथ ही किसानो द्वारा अपनाए कृषि प्रणाली को डाला जाये तथा तकनीक के लाभ को लाभान्वित किसानो की संख्या व प्रतिशत वृद्धि के द्वारा दर्ज किया जाये साथ ही इसको जिला के नक़्शे में विभिन्न रंगो से इंगित करते प्रगति दर्शायी जाये। इसकी मासिक निरीक्षण केंद्र के वरि. वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष द्वारा की जाये।
4. किसान उत्पादक संगठन के शेयरहोल्डर व अन्य किसानो की बैठक तय की जाये जिसमे नाबार्ड, कृभको तथा प्रगतिशील संगठन को बुलाया जाये। प्रत्येक वैज्ञानिक द्वारा 100 किसानो को बैठक में बुलाया जाये।
5. कृषि विज्ञान केंद्र के द्वारा प्रदर्शित फसल की प्रजापतियो में पोषक तत्वों की मात्रा को बताया जाये।
6. महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केंद्र- एक नज़र में को गत 4 वर्षों की प्रगति को संछिप्त में ग्राफ, अधिदेश, मुख्य प्रदर्शन सूचकों, अन्य विभागों से सहलग्नता, तथा सलाहकार इत्यादि को बिन्दुवत बनाया जाये।

7. चौक बाजार फार्म, महाराजगंज के प्लान का आर्थिक विश्लेषण हर प्रकार के व्यय को जोड़ते हुए सही लागत तथा लाभ निकाला जाये।
8. चौक बाजार फार्म, महाराजगंज तथा कृषि विज्ञान केंद्र के कृषि यंत्रो के उपयोग समय प्रति वर्ष का बनाया जाये। यंत्रो व ट्रेक्टर उपयोग के किराये को भी बनाया जाये।
9. चौक बाजार फार्म, महाराजगंज के 20 एकड़ छेत्र में केला व 24 एकड़ में सब्जी उत्पादन नेट जाली से घेराव के साथ शुरू किया जाये।
10. महिला कृषको का डेटाबेस तैयार किया जाये जिसके आधार पर उत्पाद का चयन कर कार्य योजना बनायीं जाये।

प्रो. राजेश सिंह, माननीय कुलपति, दी.द.उ.गो.वि.वि. गोरखपुर

1. किसान उत्पादक संगठन बनाने की प्रक्रिया में तेजी लाते हुए दिनांक 16 फरवरी, 2021 को दी.द.उ.गो.वि.वि. गोरखपुर के दीक्षा भवन में किसान उत्पादक संगठन के शेयरहोल्डर व अन्य किसानो की बैठक तय की जाये जिसमे नाबार्ड, कृभको तथा प्रगतिशील संगठन को बुलाया जाये।
2. फसलों के विविधिकरण जैसे मक्का, मोटा अनाज, दलहन, तिलहन का फसल चक्र में समावेश करने पर जोर दिया जाये जिससे हमारे किसानो के प्रछेत्रो पर प्रभाव बढाया जा सके।
3. कार्य योजना की तुलनात्मक स्लाइड बनायी जाये जैसे प्रोजेक्ट/ किसान उत्पादक संगठन/ प्रकाशन सम्बन्धित इंचार्ज नाम, विषय, सम्बन्धित वैज्ञानिक, बजट तथा उसकी स्थिति के बारे में बताया जाये। इसी प्रकार सीड हब प्रोजेक्ट, किसान उत्पादक संगठन का विवरण बनाया।
4. 5 स्टार्टअप गुड़, शहद, अगरबत्ती, बीज एवं मशरूम के लागत, मुनाफा, लक्ष्य, प्रयोग सामान के डाटा के आधार पर लाभ लागत अनुपात का आकलन किया जाये।
5. फसलों में पशुओ से नुकसान से बचाने के एक प्रोजेक्ट तैयार किया जाये।
6. कम्युनिटी रेडियो प्रोजेक्ट तैयार करने के लिए जिला डाटा एकत्र किया जाये।
7. विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, गृह विज्ञान कॉलेज के पोषण आहार वाटिका व सब्जी उत्पादन प्रोजेक्ट में केन्द्र की गृह वैज्ञानिक प्रशिक्षण, सब्जी उत्पादन व उद्यमी विकास करने के माध्यम से जुड़े।
8. अन्य विभागों द्वारा केंद्र की सहलग्नता बढ़ाते हुए किसानो को एवं केंद्र को प्रशिक्षण व अन्य माध्यमो से लाभान्वित किया जाये।